HINDI

(Three hours)

Answers to this paper must be written on the paper provided separately.

*You will **not** be allowed to write during the first 15 minutes.*

This time is to be spent in reading the question paper.

The time given at the head of this Paper is the time allowed for writing the answers.

*This paper comprises two Sections; **Section A** and **Section B**.*

*Attempt **all** the questions from Section A.*

*Attempt any **four** questions from Section **B**, answering at least **one** question each from the **two** books you have studied and any **two** other questions.*

The intended marks for questions or parts of questions are given in brackets [ ].

SECTION A (40 Marks)

*Attempt **all** questions*

Question 1

Write a short composition in **Hindi** of approximately **250** words on any **one** of the following topics :— [15]

निम्नलिखित विषयों में से किसी **एक** विषय पर **हिन्दी में** लगभग **250** शब्दों में संक्षिप्त लेख लिखिए :—

(i) आज सारा संसार फ़ैशन का दीवाना है। हमारा अधिकांश व्यवहार फ़ैशन पर ही आधारित है। आपकी दृष्टि में फ़ैशन क्या है और यह आज के मनुष्य को किस प्रकार प्रभावित कर रहा है ?

(ii) दुनिया में अच्छे-बुरे दोनों तरह के लोग होते हैं। एक अच्छा पड़ोसी जहाँ आपका उत्तम मित्र साबित होता है, वहीं स्वभाव से बुरा पड़ोसी आपका सुख चैन छीन लेता है। अपने पड़ोसी के स्वभाव की चर्चा कीजिए और बताइए कि उसकी कौन सी बात आप जीवन भर नहीं भूल पाएंगे।

(iii) आपकी प्रिय ऋतु कौन सी है और क्यों ? इस ऋतु में मनाए जाने वाले किसी त्योहार का महत्व बताइए।

(iv) एक मौलिक कहानी लिखिए जिसका आधार निम्नलिखित उक्ति हो-
'खोदा पहाड़ निकली चुहिया।'

This Paper consists of 12 printed pages.

© Copyright reserved.

(v) नीचे दिये गये चित्र को ध्यान से देखिए और चित्र को आधार बनाकर वर्णन कीजिए **अथवा** कहानी लिखिए, जिसका सीधा व स्पष्ट सम्बन्ध चित्र से होना चाहिए ।

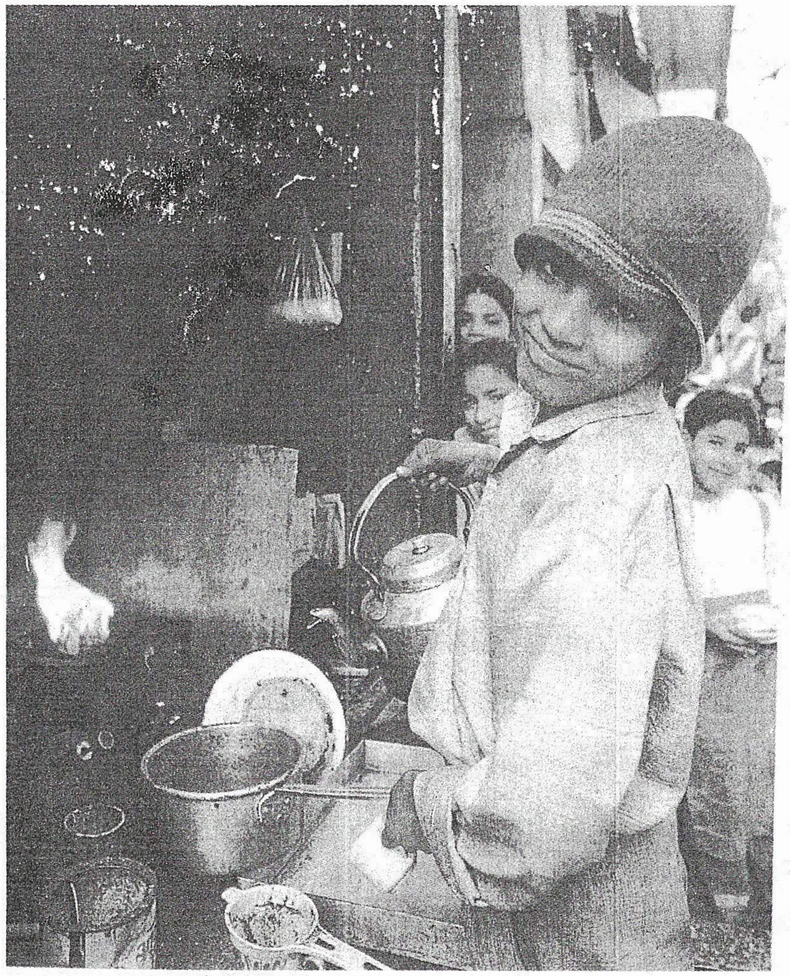

Question 2

Write a letter in **Hindi** in approximately **120** words on any **one** of the topics given below :— [7]

निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर **हिन्दी में** लगभग **120** शब्दों में पत्र लिखिए :—

(i) आपका मित्र किसी खेल प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए विदेश-यात्रा पर जा रहा है। मंगलकामना करते हुए उसे पत्र लिखिए।

(ii) आपके मोहल्ले में जल-आपूर्ति [Water Supply] नियमित रूप से नहीं हो रही है, जल-संस्थान के अधिकारी को शिकायती पत्र लिखिए और उन्हें अपनी समस्याओं के विषय में बताकर, उनसे अनुरोध कीजिए कि वे तत्काल जल-आपूर्ति नियमित कराने की व्यवस्था करें।

Question 3

Read the passage given below and answer in **Hindi** the questions that follow, using your own words as far as possible :—

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर **हिन्दी** में लिखिए । उत्तर यथासंभव आपके अपने शब्दों में होने चाहिए :—

किसी नगर में एक जुलाहा रहता था। स्वभाव का वह बड़ा अच्छा था। सभी से मीठा बोलता था और कभी किसी से नाराज़ नहीं होता था। लोग उसे सन्त कहा करते थे।

एक दिन कुछ शरारती लड़के उसके यहाँ पहुँचे। वे उसकी परीक्षा लेकर देखना चाहते थे कि उसे कैसे गुस्सा नहीं आता। उनमें से एक बहुत धनी व्यक्ति का लड़का था। उसे अपने पैसे का घमंड था। उन लड़कों को देखते ही जुलाहे ने बड़े प्यार से कहा, "आओ बेटा, तुम लोगों को क्या चाहिए ?"

सामने रखी साड़ियों में से एक की ओर इशारा करके एक लड़के ने कहा, "मुझे वह साड़ी चाहिए। उसका क्या लोगे ?"

जुलाहे ने कहा, "दो रुपये।"

उस लड़के ने वह साड़ी हाथ में ले ली और उसके दो टुकड़े कर डाले। बोला, "मुझे पूरी नहीं, आधी चाहिए। इसका क्या लोगे ?"

जुलाहे ने बड़ी शान्ति से कहा, "एक रुपया।"

नौजवान ने उस आधी साड़ी के भी दो टुकड़े करके पूछा, "इसका क्या दाम होगा ?"

"आठ आना।" जुलाहे ने बिना किसी प्रकार की नाराज़गी के कहा।

लड़का तो उसको चिढ़ाना चाहता था। वह साड़ी के टुकड़े पर टुकड़े करता गया, पर जुलाहे ने न उसको रोका, न डाँटा, न अपने माथे पर शिकन तक आने दी।

जब साड़ी के बहुत से टुकड़े हो गये तो लड़का हँस कर बोला, "ये टुकड़े मेरे किस काम के ! मैं इन्हें नहीं खरीदूँगा।"

जुलाहे ने शान्त भाव से कहा, "तुम ठीक कहते हो बेटा, ये टुकड़े अब तुम्हारे क्या, किसी के भी काम नहीं आ सकते।" लड़के को इस बात पर कुछ शर्म आयी। उसने कहा, "यह लो, मैं तुम्हें पूरी साड़ी के दाम दिये देता हूँ।"

जुलाहे ने रुपये नहीं लिये। बोला, “मैं इन टुकड़ों को जोड़ कर काम में ले आऊँगा। पर ये तुम्हारे काम नहीं आ सकते तो मैं इनका दाम कैसे ले सकता हूँ।” लड़के के ऊपर तो अपने धन का नशा चढ़ा था। उसने कहा, “मेरे पास बहुत रुपये हैं, पर तुम गरीब हो। मैंने तुम्हारी चीज खराब कर दी। उसका घाटा मुझे पूरा करना चाहिए।”

जुलाहे ने धीमी आवाज़ में कहा, “क्या तुम इसका घाटा पूरा कर सकते हो ? क्या तुम समझते हो कि रुपये से यह घाटा पूरा हो जायेगा ? देखो किसानों की मेहनत से कपास पैदा हुई। उसकी रुई से मेरी स्त्री ने सूत काता। मैंने उस सूत को रंगा, फिर उससे साड़ी बुनी। हमारी मेहनत तब कारगर होती, जब कोई उस साड़ी को पहनता। तुमने तो उसके टुकड़े-टुकड़े कर डाले ! इतने लोगों की मेहनत बेकार गई। रुपये इस घाटे को कैसे पूरा कर सकते हैं !”

जुलाहे की आवाज़ में तनिक भी आवेश नहीं था। वह तो उसे ऐसे समझा रहा था, जैसे बाप बेटे को समझाता है।

लड़का पानी-पानी हो गया। उसकी आँखें भर आईं। वह जुलाहे के पैरों पर गिर गया। जुलाहे ने उसे उठाकर अपनी छाती से लगाते हुए कहा, “बेटा, अगर मैं लालच करके दो रुपये ले लेता, तो तुम्हारी ज़िन्दगी का वही हाल हुआ होता जो इस साड़ी का हुआ। वह किसी के काम न आती। अब तुम समझ गये। आगे ऐसी गलती कभी नहीं करोगे। एक साड़ी खराब हुई, दूसरी तैयार हो सकती है, लेकिन ज़िन्दगी बिगड़ गई तो कैसे सुधारोगे ?” लड़का और उसके साथी बहुत शर्मिन्दा हुए और सिर नीचा करके अपने-अपने घर चले गये।

यह जुलाहे थे दक्षिण के महान सन्त तिरुवल्लुवर, जिनका लिखा ‘कुरल’ आज दो हज़ार वर्ष बाद भी बड़ी श्रद्धा से पढ़ा जाता है।

(i) जुलाहा कौन था ? उसका स्वभाव कैसा था ? [2]

(ii) लड़के जुलाहे की परीक्षा क्यों लेना चाहते थे ? वे साड़ी के टुकड़े पर टुकड़े क्यों कर रहे थे ? [2]

(iii) लड़के द्वारा चिढ़ाये जाने पर जुलाहे ने क्या कहा ? जुलाहे ने साड़ी के दाम क्यों नहीं लिए ? [2]

(iv) लड़के पर जुलाहे की बात का क्या प्रभाव पड़ा ? [2]

(v) प्रस्तुत गद्यांश से आपको क्या शिक्षा मिली ? [2]

Question 4

Answer the following according to the instructions given :—

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार लिखिए :—

(i) निम्न शब्दों से विशेषण बनाइए :— [1]

रोग, परिवार।

(ii) निम्न शब्दों में से किसी **एक** शब्द के **दो** पर्यायवाची शब्द लिखिए :— [1]

आकाश, घमंड।

(iii) निम्न शब्दों में से किन्हीं **दो** शब्दों के विपरीतार्थक शब्द लिखिए :— [1]

प्रशंसा, सेवक, संधि, गुप्त।

(iv) निम्नलिखित मुहावरों में से किसी **एक** की सहायता से वाक्य बनाइए :— [1]

मुट्ठी गरम करना, हाथ-पैर मारना।

(v) भाववाचक संज्ञा बनाइए :— [1]

सेवक, राष्ट्र।

(vi) कोष्ठक में दिए गए निर्देशानुसार वाक्यों में परिवर्तन कीजिए :—

(a) पंडित जी कथा सुना रहे हैं। [1]

('द्वारा' शब्द का प्रयोग कीजिए)

(b) हलवाई ने जलेबियाँ बनाईं थीं। [1]

(भविष्यकाल में बदलिए)

(c) साँझ होते ही पक्षी अपने-अपने <u>नीर</u> को लौट आते हैं। [1]

(रेखांकित शब्द के स्थान पर सही शब्द का प्रयोग कीजिए)

SECTION B (40 Marks)

*Attempt **four** questions from this Section.*
*You must answer at least **one** question from each of the **two** books you have studied and any **two** other questions.*

गद्य-संकलन

Question 5

Read the extract given below and answer in **Hindi** the questions that follow :—

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर **हिन्दी** में लिखिए :—

साहब ने प्रसन्नता से उन्हें कुर्सी दी, वीणा को एक कोने में रखा और घंटी बजायी। चपरासी हाज़िर हुआ।

साहब ने हुक्म दिया, "बड़े बाबू से भोलाराम के केस की फ़ाइल लाओ !"

थोड़ी देर बाद चपरासी भोलाराम की सौ-डेढ़-सौ दरख्वास्तों से भरी फ़ाइल लेकर आया। उसमें पेंशन के कागज़ात भी थे। साहब ने फ़ाइल पर का नाम देखा और निश्चित करने के लिए पूछा, "क्या नाम बताया, साधुजी, आपने ?"

नारद ने समझा कि साहब कुछ ऊँचा सुनता है। इसलिए ज़ोर से बोले, "भोलाराम।"

-भोलाराम का जीव-

लेखक-हरिशंकर परसाई

(i) साहब की प्रसन्नता का क्या कारण है ? इससे उनके स्वभाव के विषय में क्या ज्ञात होता है ? [2]

(ii) नारद के द्वारा जोर से "भोलाराम" पुकारे जाने का क्या परिणाम हुआ ? [2]

(iii) नारद कौन हैं ? उनके विषय में क्या प्रसिद्ध है ? [3]

(iv) सरकारी कार्यालयों में बढ़ते भ्रष्टाचार पर एक अनुच्छेद में अपने विचार लिखिए। [3]

Question 6

Read the extract given below and answer in **Hindi** the questions that follow :—

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर **हिन्दी** में लिखिए :—

मैं उनके पास पहुँचा। मुख को छोड़कर, उनका शेष सम्पूर्ण शरीर एक चादर से ढका हुआ था। कुछ देर तक मैं चुपचाप खड़े रहकर उनकी तरफ देखता रहा। उस निर्जन खेत में मानसिक व्यथा का मूर्तिमान अवतार बनकर सोया हुआ वह दरिद्र और बूढ़ा मास्टर मुझे इस लोक से बहुत ऊपर की चीज़ जान पड़ा।

इसके बाद उनके पैरों के पास बैठकर मैं धीरे-धीरे उनके पैर दबाने लगा।

-मेरे मास्टर साहब-

लेखक-चंद्रगुप्त विद्यालंकार

(i) मास्टर साहब का घर कहाँ था ? लेखक वहाँ क्यों गया था ? [2]

(ii) नींद से जागने पर मास्टर साहब ने क्या किया ? [2]

(iii) लेखक को मास्टर साहब मानसिक व्यथा का मूर्तिमान अवतार क्यों लग रहे थे ? उनकी व्यथा दूर करने के लिए लेखक ने क्या किया ? [3]

(iv) वर्तमान समय में गुरु-शिष्य परम्परा में क्या अन्तर आ गया है ? आपकी दृष्टि में इस परिवर्तन का क्या कारण है ? [3]

Question 7

Read the extract given below and answer in **Hindi** the questions that follow :—

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर **हिन्दी** में लिखिए :—

लिफ़्ट बंद हुआ और नीचे उतर गया।

वार्ड ब्वॉय बच्चे की कुर्सी को पुश करता हुआ ऑपरेशन थियेटर वाले बरामदे में मुड़ गया; नर्स उसके साथ ही चली गयी। उसका बाप धीरे-धीरे उन्हीं के पीछे चला गया।

तब मुझे याद आया कि मुझे तो सातवीं मंजिल पर जाना था।

-चप्पल-

लेखक-कमलेश्वर

(i) किसको, कहाँ की सातवीं मंजिल पर जाना था ? [2]

(ii) वहाँ जाने की सलाह उसे किसने और क्यों दी थी ? [2]

(iii) वहाँ पहुँच कर उसका मन किस भाँति, क्या विचार कर रहा था और क्यों ? [3]

(iv) इस समय बच्चे की दशा कैसी है ? यहाँ आने के बाद बच्चे के लिए, उसकी कौन सी प्रिय वस्तु अर्थहीन हो जाती है ? कैसे ? [3]

चन्द्रगुप्त विक्रमादित्य

लेखक—प्रकाश नगायच

Question 8

Read the extract given below and answer in **Hindi** the questions that follow :—

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर **हिन्दी** में लिखिए :—

"कौन ? चित्रा !...... महारानी के शिविर में जाकर देखो उन्हें अवकाश है या नहीं ? हम उनसे इसी समय मिलना चाहते हैं।"

"जो आज्ञा, महाराज !" दासी ने सिर झुकाकर प्रणाम करते हुए कहा और फिर महादेवी ध्रुवस्वामिनी के शिविर की ओर चली गई।

(i) प्रस्तुत पंक्तियाँ किस संदर्भ में किसने कही हैं ? [2]

(ii) वह इसी समय ध्रुवस्वामिनी से क्यों मिलना चाहता था ? [2]

(iii) इससे पूर्व वक्ता अपने किस स्वार्थ के विषय में, क्या विचार कर रहा था और क्यों ? [3]

(iv) वक्ता और चन्द्रगुप्त के चरित्र की तुलना कीजिए। [3]

Question 9

Read the extract given below and answer in **Hindi** the questions that follow :—

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर **हिन्दी** में लिखिए :—

"सुना है, शकराज खारवेल खोए हुए कश्मीर को पाने के लिए गांधार से चल पड़ा है। दक्षिण-पश्चिमी सीमाओं पर मालवा, गुजरात और सौराष्ट्र के शकों ने छुटपुट आक्रमण आरम्भ कर दिए हैं। इसलिए मेरा विद्रोह मगध ही नहीं वरन् समूचे भारत के विनाश का कारण बन जाएगा।"

"देवसेना कुमार की विवशताएँ भली-भाँति जानती है, लेकिन महादेवी को इस दु:ख से छुटकारा दिलाने का कोई उपाय तो करना ही होगा।"

"अब क्या उपाय हो सकता है, देवसेना ?"

(i) कुमार इस समय कहाँ हैं ? देवसेना के यहाँ आने का उद्देश्य क्या था ? [2]

(ii) महादेवी किस साम्राज्य की महारानी थी ? उनको क्या कष्ट था ? [2]

(iii) कुमार की क्या-क्या विवशताएँ थीं ? [3]

(iv) उक्त संदर्भ के आधार पर बताइए कि व्यक्तिगत हित की तुलना में देशहित महत्वपूर्ण होता है। [3]

Question 10

Read the extract given below and answer in **Hindi** the questions that follow :—

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर **हिन्दी** में लिखिए :—

दुर्ग के दक्षिण-पूर्व में बसी महाकाल की नगरी उज्जयिनी (उज्जैन) मन्दिरों के घंटों, घड़ियालों और आरती वन्दना के मधुर स्वरों से मुखरित हो रही थी।

और क्षिप्रा की लहरें जय महाकाल का जयघोष लिए दक्षिण की ओर बढ़ती चली जा रही थीं। किन्तु लगता था, जैसे प्रात:काल के इस सुन्दर वातावरण पर भय और आतंक की छायाएँ-सी डोल रही हैं।

(i) उज्जयिनी (उज्जैन) कहाँ है ? यह किस नदी के तट पर बसा हुआ है ? [2]

(ii) 'महाकाल' किस देवता का नाम है ? उज्जयिनी (उज्जैन) को महाकाल की नगरी क्यों कहा जाता है ? [2]

(iii) उज्जयिनी (उज्जैन) के तत्कालीन सम्राट का नाम बताकर उनका परिचय दीजिए। [3]

(iv) 'युद्ध से जन-जीवन आतंकित हो उठता है।' - प्रस्तुत पंक्ति को आधार बना कर एक अनुच्छेद में अपने विचार लिखिए। [3]

एकांकी सुमन

Question 11

Read the extract given below and answer in **Hindi** the questions that follow :—

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर **हिन्दी** में लिखिए :—

"सवाल यह है कि क्या भीड़ को कानून अपने हाथ में लेने का अधिकार है ? मैं समझता हूँ उसे यह अधिकार नहीं है।"

"और यदि वह लेती है तो......."

"तो वह विद्रोह है और विद्रोह को दबाने का सरकार को पूरा-पूरा अधिकार है।"

"लेकिन विद्रोह क्यों किया गया है यह देखना क्या सरकार का कर्त्तव्य नहीं है ?"

-सीमा-रेखा-

लेखक-विष्णु प्रभाकर

(i) यह वार्ता किन व्यक्तियों के बीच हो रही है ? [2]

(ii) जनता विद्रोह किन कारणों से करती है ? क्या जनता द्वारा विद्रोह किया जाना उचित है ? तर्कसहित उत्तर दीजिए। [2]

(iii) प्रस्तुत एकांकी का उद्देश्य स्पष्ट कीजिए। [3]

(iv) 'कानून अपने हाथ में लेने' का क्या अर्थ है ? 'क्या भीड़ को कानून अपने हाथ में लेने का अधिकार है ?' पक्ष या विपक्ष में अपने विचार एक अनुच्छेद में लिखिए । [3]

Question 12

Read the extract given below and answer in **Hindi** the questions that follow :—

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर **हिन्दी** में लिखिए :—

"मेरा त्रिपुण्ड गीला हो गया। इस त्रिपुण्ड पर भगवान शंकर के आँसू गिर पड़े। प्रभु........ प्रभु-मेरे शत्रु पर तुम्हारी इतनी करुणा क्यों ? तुम्हारी इतनी अनुकम्पा क्यों ? तुम कैसे मेरे भगवान हो ! भक्त की इच्छा के प्रतिकूल ! तुम्हारी तो कभी ऐसी बात नहीं।... प्रभु शंकर ! मुझे बल दो कि मैं लड़ सकूँ। चन्द्रहास से न सही तो अपनी नीति से ही लड़ सकूँ ! जिस प्रकार तुम मेरे सभी कार्यों में सहायक हो, उसी प्रकार इस कार्य में क्यों नहीं होते ?"

-राजरानी सीता-

लेखक-डॉ० रामकुमार वर्मा

(i) 'त्रिपुण्ड' शब्द का क्या अर्थ है ? उस पर शंकर के आँसू कब गिर पड़े थे ? [2]

(ii) वक्ता इस समय कैसा अनुभव कर रहा था और क्यों ? [2]

(iii) वक्ता ने ऐसा क्या कार्य किया था जिससे भगवान शंकर को भी भक्त की इच्छा के प्रतिकूल जाना पड़ा था ? [3]

(iv) प्रस्तुत एकांकी के शीर्षक की सार्थकता सिद्ध कीजिए। [3]

Question 13

Read the extract given below and answer in **Hindi** the questions that follow :—

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर **हिन्दी** में लिखिए :—

"मुझे लगता है तुम लोग किसी नाटक के डायलॉग्ज़ बोलने लगे हो। गज़ब का कमांड हो गया है तुम लोगों का भाषा पर। क्या कहने हैं, 'घर एक ऐसे माहौल का नाम है,' 'घर एक थाई है'। तुम लोगों का क्रिएटिव माइंड पूरी तरह विकसित हो चुका है। मुझे तुम पर गर्व है।"

-भटकन-

लेखक-शैल रस्तोगी

(i) वक्ता का परिचय दीजिए। [2]

(ii) वक्ता के इस कथन का किसने, क्या उत्तर दिया ? [2]

(iii) 'घर एक ऐसे माहौल का नाम है,' 'घर एक थाई है'—ऐसा किसने कहा था ? क्या आप इस परिभाषा से सहमत हैं ? तर्कपूर्ण उत्तर दीजिए। [3]

(iv) 'वर्तमान समय में सुख-समृद्धि की लालसा ने मानव को मानव से दूर कर दिया है।'—एकांकी के आधार पर इस पंक्ति की समीक्षा कीजिए। [3]

Question 14

Read the extract given below and answer in **Hindi** the questions that follow :—
निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर **हिन्दी** में लिखिए :—

युग-युग अजेय, निर्बन्ध, मुक्त !
युग-युग शुचि, गर्वोन्नत, महान !
निस्सीम व्योम में तान रहे
युग से किस महिमा का वितान ?
कैसी अखंड यह चिर समाधि,
यतिवर ! कैसा यह अमर ध्यान ?
तू महाशून्य में खोज रहा
किस जटिल समस्या का निदान ?
उलझन का कैसा विषम जाल ?
मेरे नगपति ! मेरे विशाल !

-हिमालय-

कवि-रामधारी सिंह 'दिनकर'

(i) कवि ने हिमालय को 'युग-युग अजेय, निर्बन्ध, मुक्त' क्यों कहा है ? [2]

(ii) 'यतिवर' का क्या अर्थ है ? 'हिमालय' और 'यतिवर' में क्या समानता है ? [2]

(iii) हिमालय के सांस्कृतिक महत्व को स्पष्ट कीजिए। [3]

(iv) निम्न शब्दों के अर्थ लिखिए :— [3]

व्योम, अखंड, जटिल, शुचि, निदान, वितान।

Question 15

Read the extract given below and answer in **Hindi** the questions that follow :—
निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर **हिन्दी** में लिखिए :—

रहिमन निज मन की व्यथा, मन ही राखौ गोय।
सुनि अठिलेहैं लोग सब, बाँटि न लै कोय।।
प्रीतम छबि नैननि बसी, पर छबि कहाँ समाय।
भरी सराय रहीम लखि, पथिक आपु फिरि जाय।।

रहिमन धागा प्रेम का, मत तोरेउ चटकाय।
टूटे से फिर ना जुरै, जुरै गाँठ परि जाय।।
तरुवर फल नहिं खात है, सरवर पियहिं न पान।
कहि रहीम पर काज हित, संपति सँचहिं सुजान।।

-नीति के दोहे-

कवि-रहीम

(i) रहीमदास जी ने मन की व्यथा मन में ही रखने के लिए क्यों कहा है ? [2]

(ii) 'प्रीतम छबि नैननि बसी, पर छबि कहाँ समाय।' पंक्ति का भाव स्पष्ट कीजिए। [2]

(iii) रहीमदास जी ने प्रेम को किसके समान, क्यों बताया है ? प्रेम के सम्बन्ध को क्यों नहीं तोड़ना चाहिए ? [3]

(iv) 'तरुवर फल नहिं खात है, सरवर पियहिं न पान।' कहकर कवि क्या समझाना चाहते हैं ? 'सुजान' किन्हें कहा जा सकता है ? [3]

Question 16

Read the extract given below and answer in **Hindi** the questions that follow :—

निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर **हिन्दी** में लिखिए :—

क्रुद्ध नभ के वज्रदंतों में उषा है मुस्कराती,
घोर गर्जनमय गगन के कंठ में खग-पंक्ति गाती,
एक चिड़िया चोंच में तिनका लिए जो जा रही है,
वह सहज में ही पवन उनचास को नीचा दिखाती।

-निर्माण-

कवि-हरिवंशराय 'बच्चन'

(i) प्रथम पंक्ति का भाव स्पष्ट कीजिए। [2]

(ii) 'खग-पंक्ति' कब, कहाँ गाती है ? इससे हमें क्या संदेश मिलता है ? [2]

(iii) 'पवन उनचास' से आप क्या समझते हैं ? उसे चिड़िया कैसे नीचा दिखाती है ? [3]

(iv) 'प्रस्तुत कविता के द्वारा कवि ने मानव को कौन-सा दृष्टिकोण अपनाने की प्रेरणा दी है और क्यों ? [3]